

143,1. वि यद्वाचं कीस्तासो भर्ते 6,67,10. 7,22,3. प्रवो देवत्रा वाचं कृणुधम् 7,34,9. इयति वाचम् 2,42,1. उभे वाचौ वदति 43,1. प्र हूतमिव वाचमिव्ये 4,33,1. तिम्रो वाचः प्र वद 7,101,1. 8,5,3. प्रतीचीं जग्रभा वाचम् 10,18,14. अमुं वागपि गच्छतु AV. 2,12,8. 10,2,7. यं वाचांमृक्त्वा वाचा सरस्वत्या मनोयुता 5,7,5. चतुषा मनसा वाचा 6,96,3. 7,70,1. वाचो मधु 12,1,16. VS. 3,47. ऋषिणा RV. 1,190,2. नित्या 8,64,6. मधुमती AV. 3,30,2. अनुदिता 5,1,2. भर्गस्वती 6,69,2. देवी 8,1,3. विचक्षणवती AIT. Br. 1,6. अनुश्रुमाना CAT. Br. 4,2,2,11. पूता 13,2,9. अपूता AIT. Br. 7,27. वाचं यच्छति CAT. Br. 2,4,4,6 (vgl. u. यम्). विमृजेत KĀTJ. Çr. 2,4,7. वेदेत् TS. 2,1,2,6. पुरा वाग्भ्यः प्रवदितोः PĀNĀV. Br. 24,3,5. KĀTJ. Çr. 9,1,10. पयसा वाचं श्रानानाति PĀNĀV. Br. 10,2,7. ĀÇV. GRJ. 3,10,9. वाग्देवभ्यो यज्ञं वृक्षति CAT. Br. 1,4,4,2. वाचं श्रानन्नातोः प्राणाः TS. 5,3,9,2. वाग्देवैतत्सर्वं यत्स्त्री पुमान्पुंसकं वाचा ह्येवैतत्सर्वमात्मं CAT. Br. 10,3,1,3. सतथा वागवदत् AIT. Br. 2,17. त्रेधाविकृता CAT. Br. 10,3,1,2. der Steine RV. 10,94,1. der Trommel AV. 5,20,1. 4. PĀNĀV. Br. 6,5,12. übertragen auf die Zunge CAT. Br. 8,5,4,1. 10,5,2,15. रूपा वाव प्रत्यक्षं वाग्यञ्जिह्वा PĀNĀV. Br. 20,14,3. — तयो वाचं रतिं चैव कामं च क्रोधमेव च । सृष्टिं ससर्ज चैवमो ऋषिमुच्छन्निमाः प्रजाः ॥ Sprache M. 1,25. 2,90. स्नेहः, श्राप्यं adj. 10,45. SĀMĀHJAK. 26. 34. BĀG. P. 3, 26,13. मन्युवाचा RAGH. 2,33. यामिमां पुष्पितां वाचं प्रवदत्यविपश्चितः Rede, Worte BHAG. 2,42. मधुरा श्लक्ष्णा M. 2,159. वेषवाग्बुद्धिसाक्ष्य 4, 18. वाग्दण्डयोश्च पारुष्ये 8,72. वाचा दारुण्या लिपन् 270. वाक्कुलं वै ब्राह्मणस्य 11,33. पावत्रं विदुषां हि वाक् Rede, Ausspruch 11,85. स-हेमो चरतो धर्ममिति वाचानुभाष्य 3,30. MBh. 1,5973. वाचं व्याजहार 3,2091. वाग्भिर्भिनन्द्य 2223. 3045. R. 1,62,19. (भरतम्) तुष्टुर्वाग्विशेषज्ञाः स्तवैर्मङ्गलसंहितैः 2,81,1. सूनता Spr. 1047. 2768. सत्यपूता वदे-द्वाचम् 1232. 1333. fg. वाचा उरुक्ताम् वाक्कृतम् 2647. वाक्सायकाः 2767. वाच्यया नियताः सर्वे वाञ्छन्ता वाग्विनिःसृताः । तां तु यः स्तेनयेद्वाचं स सर्वस्तेयकृत् ॥ 4981. वागर्थविषयं संपृक्तौ RAGH. 1,1. वागर्थं परिगृह्य DHRĪTAS. 83,9. प्रविशेत्प्रपूनाद्वाचम् KATHĀS. 18,211. देवी ein königliches Wort RĀGĀ-TAR. 3,205. मन्ये त्वा विषये वाचां स्नातमन्यत्र च्छान्दसात् auf dem ganzen Gebiete der Rede BHAG. P. 1,4,13. वाचां वैचित्र्यम् Hit. Pr. 2. ललितमधुरा वाक्प्रत्यये पोरुविधातिनी Vet. in LA. (III) 30,3. वाचमादे RAGH. 1,59. वाचं दा die Rede richten an (dat.) ÇĀK. 132. वाचं न मिश्रयति यद्यपि मे वचोभिः 30. नियम्य वाचम् M. 2,185. 192. 4,49. मृडु° adj. 9,335. अनृत° adj. R. 1,6,15. वाग्वाह्नुदरसंपत् M. 4,175. कर्मणा मनसा वाचा Spr. 2443. वाञ्छनःकर्मज्ञैः पापैः 4977. मनोवाग्देहज्ञैः कर्मदैवैः M. 1,104. 3,165. fg. 9,29. 12,3. मनोवाञ्छतिभिः 11,231. 241. वाचि, चेतसि Spr. 1974. बालवृद्धातुराणां च साक्ष्येषु वदतां मृषा । ज्ञानीया-दस्मिन् वाचमुत्तिष्ठतमनसा तथा ॥ Aussage M. 8,71. 81. 103. वेदस्यापि-रूपेयत्ववाचो युक्तिर्न युक्ता Behauptung SARVADARÇANAS. 129,3. वाञ्छात्र M. 4,30. Spr. 2769. PĀNĀV. 78,7. वाचं वा को विज्ञानाति पुनः संश्रुत्य संश्रुताम् Stimme JĀGĪ. 3,150. VS. PRĀT. 1,9. VARĀH. BRH. S. 68,101. वा-प्यकल्या वाचा MBh. 3,2267. 2321. 2458. श्लक्ष्णा वाचा 2771. 2940. दी-नया वाचा 3,7327. वाग्वाचाशरीरिणी R. 1,1,81. WEBER, KRṢṢṢĀG. 320. LA. (III) 92,1. वाग्भूतत्र मानुषी R. 2,63,24. fg. इत्युक्ता विरराम वाक् KATHĀS. 18,316. वाग्मानुषी VARĀH. BRH. S. 46,92. पूर्व चरति देवेषु प-श्चाद्वाचति मानुषान् । नाचोदिता वागवदति सत्या ह्येषा सरस्वती ॥ Ora-

kelstimme 98. सारसाः — वदति मधुरा वाचः Laute, Töne MBh. 3,11612. सारसाश्च मधुराश्च वाचो मुञ्चति दारुणाः 6,62. शकुनिः पुत्र पुत्रेति भाषते । मधुरो करुणो वाचम् R. 2,96,12. शिवाश्चाप्यशिवा वाचः प्रवदति मन्त्रा-स्वनाः 6,16,11. पतिषां मुक्तरा वाचः VARĀH. BRH. S. 22,6. Spr. 4683. eines Esels KATHĀS. 62,18. उलूकवाग्भिः BHAG. P. 5,13,5. रतांसि वि-विधा वाचो विमृजति मन्त्रावने R. 3,51,20. — वाचा सत्ये कृते so v. a. wenn das Wort gegeben worden ist, wenn die Verlobung stattgefunden hat M. 9,69. वाचा तेनोपकोशा च प्राग्धर्मभगिनी कृता so v. a. ausdrück-lich KATHĀS. 4,96. इदं वाचा नियमो ग्राह्यः संबन्धना तया 17,83. Man findet zahlreiche Allegorien, z. B. TS. 2,5,11,4. 6,4,2,3. KĀTJ. 12, 5,27,1. AIT. Br. 5,25. CAT. Br. 1,4,5,8. 5,4,6. 3,2,1,8. 5,1,18. 6, 1,2,6. 7,5,2,6. am verbreitetsten die Legende von der Sendung der Vāk zu den Gandharva AIT. Br. 1,27. TS. 6,1,6,5. CAT. Br. 3,2, 4,3. KĀTJ. 24,1. वाचः साम N. verschiedener Sāman PĀNĀV. Br. 12, 5,12. Ind. St. 3,234, a. वाचो व्रतम् N. eines Sāman Ind. St. ebend. वाचः स्तोमः N. eines Ekāha ÇĀNĀH. Çr. 15,11,2. KĀTJ. Çr. 22,6,24. — 2) personifiziert, übrigens in unbestimmter Weise als Vāk Āmbhr̥ṇī im Liede RV. 10,123. ANUKR. CAT. Br. 14,9,4,33. als die Stimme des mittleren Gebietes, oft bei Comm. zur Erklärung gebraucht NAIGH. 5,5. Nir. 11,27. 10,46. 12,10. = भारती, सरस्वती H. an. MBh. प्रणम्य वाचम् KATHĀS. 1,3. als Tochter Dakṣha's und Gattin Kaṣṣapa's VP. 122, N. 19. — 3) defectiv für वाङ्मय LĀTJ. 6,9,8,7,8,5. 13,7. — Vgl. अ०, घेद्राघ०, अनृत०, अभय० (unter अभय 4, a), श्राप०, दुर्वीच०, निर्वाच०, पुरुष०, प्र०, प्रति०, प्रिय०, भद्र०, मधुर०, मित०, मिथ्या०, मृध०, सत्य०, सु०, सूक्त०.

वाच m. ein best. Fisch RĀGĀY. im ÇKDr. eine best. Pflanze (मदन) Wilson. — Vgl. कोक०.

वाच्यम (वाचम्, acc. von वाच् + यम्) 1) adj. (f. वा) = वाग्यत die Rede —, die Stimme an sich haltend, schweigend P. 3,2,10. 6,3,69. VOP. 20,60. AK. 2,7,41. TRIK. 3,3,252. H. 76. HALĀ. 2,257. TBR. 3, 2,3,8 (अ०). AIT. Br. 5,33. CAT. Br. 1,7,4,15. 2,2,2,20. 4,6,9,21. ÇĀNĀH. Br. 11,8. 27. 6. SHADY. Br. 1,5. KHĀND. UP. 5,2,8. KAUSH. UP. 2,3. 4. PĀNĀV. 3,9,16. 14,57 (fem.). SARVADARÇANAS. 39,7. m. so v. a. Muni Verz. d. Oxf. H. 253, b, 19. — 2) m. N. pr. eines Mannes Verz. d. Oxf. H. 18, b, 14. 19, a, 38.

वाच्यमव (von वाच्यम्) n. das Schweigen RAGH. 13,44. °व्रत Spr. 3661. वाचक (von वच्) nom. ag. (f. वाचिका) 1) sprechend, sagend: यथार्थस्य Spr. 467. श्राननं वल्गुवाचकम् (वल्गुनि वाचकानि यस्मिन् Comm.) BHAG. P. 4,23,31. Sprecher, der Vortragende, Hersager MBh. 18,213. 229. 231 (= HARIV. 16141. 16159. 16161). R. 7,111,7. Verz. d. Oxf. H. 30, b, 19. WEBER, KRṢṢṢĀG. 253. sprechend —, handelnd über, aussagend: ब्रह्मा-दीनां वाचको ऽयं मन्त्रः WEBER, RĀMAT. UP. 288. सर्ववाच्यस्य ebend. und 291. BHAG. P. 12,6,41. प्रणवं वाचकं मत्वा वाच्यं ब्रह्मेति निश्चितः HARIV. 14693. WEBER, RĀMAT. UP. 341. श्रद्धात्म० (पर्वन्) MBh. 1,354. — 2) aus- drückend, bezeichnend JOGAS. 1,27. शब्दे ऽपि वाचकस्तद्व्यक्तको व्यञ्ज-कस्तथा SĪH. D. 31 (daher वाचकः = शब्दः AK. 1,1,3,2. TRIK. 1,1,118). Verz. d. Oxf. H. 177, b, No. 403. 230, a, 15. H. 14. SARVADARÇANAS. 30,21. 51,7. 141,10. 146,11. क्रिया० RV. PRĀT. 12,8. अनृत्य० MBh. 1,7868.